पोर्नोग्राफ़ी आज के ज़माने की सब से बडी बीमारी



पोर्नोग्राफ़ी यानी अश्लीलता एक ऐसी बीमारी है जो इन्टरनेट के ज़रिये हर घर में ही नहीं बल्कि मोबाइल के द्वारा हर मनुष्य के जेब तक पहुँच चुकी है। पति-पत्नी के शारीरिक संबंध हमारे रचयिता की तरफ से एक भेंट है। इसके द्वारा आदमी और औरत का रिश्ता और भी गहरा हो जाता है। लेकिन वही क्रिया जब कोई अपनी पत्नी को छोड़ के किसी और के साथ करता है या फिर अपनी हवस को इन्टरनेट के द्वारा पोर्नोग्राफ़ी से पूरा करता है, तो यह बिलकुल गलत है और उसे व्यभिचार कहा जाता है। टेक्नोलॉजी की वजह से पोर्नोग्राफ़ी का इस्तेमाल दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है। पहले पोर्नोग्राफ़ी सिर्फ पत्रिका में थी, फिर टीवी में, फिर कंप्यूटर में और अब तो मोबाइल में यानि हर मनुष्य के हाथ में भी आ गई है जिसके गलत इस्तेमाल से न सिर्फ इसकी लत अधिकतर मनुष्यों को लग गई है बल्की यह चीज़ उनके ऊपर हावी भी होती जा रही है।

पोर्नोग्राफ़ी एक अवास्तविक और नाजायज़ संबंध को अश्लील तरीके से दर्शाती है और व्यभिचार को आकर्षित बना कर लोगो के सामने पेश करती है जिसकी वजह से कई लोग इसके आदी होने लगते हैं। जबकि यह एक बड़ा पाप है और अक्सर पाप मनुष्य किसी न किसी चीज़ के लोभ में आकर करता है। पोर्नोग्राफ़ी का पाप लोग लज्ज़त और हवस की लालच में करते हैं।

१. पोर्न लज्ज़त के नाम पे ज़िल्लत देता है।



झूटी लज्ज़त के लिए आदमी पोर्न को देखते देखते अपनी बीवी के साथ संबंध नहीं कर पाता है।

इसलिए वह लज़्ज़त के चक्कर में अपनी ही बीवी के सामने ज़लील हो जाता है। और वह अपनी शारीरिक शक्ति और अपनी बीवी में रूचि खो देता है।

२. पोर्न मनुष्य को उसके जीवन साथी से काट देता है।



पोर्न के वजह से अपने जीवन साथी से दूरियां पैदा होने लगती है और फिर अपने जीवन साथी के साथ कोई भी संबंध रखने में उसे कोई मज़ा नहीं आता है। इसलिए वह अपने जीवन साथी से कट जाता है। इसी की वजह से फिर औरत या मर्द अकेले पन के कारण नाजायज़ रिश्ते बना लेते हैं। जिसका पता चलते ही वह एक दूसरे की हत्या या फिर स्वयं आत्महत्या कर लेते हैं।

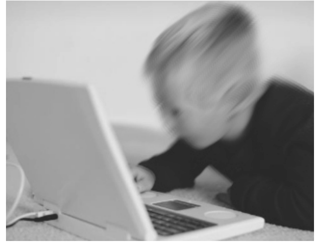
३. पोर्न की वजह से औरत की इज़्ज़त में कमी।

पोर्न देखते देखते आदमी औरत को बुरी नज़रों से देखने लगता है। वह उसकी इज़्ज़त भी नहीं करता और उसे कामवासना की वस्तु समझने लगता है। इसी वजह से रेप केसेस बढ़ते ही जा रहे हैं। बाहर तो बाहर घर में भी माँ - बेटे, भाई - बहन, बाप - बेटी, भैया - भाभी जैसे रिश्तों में भी पोर्न के असर से नाजायज़ और अश्लील हरकतें बढ़ रही हैं। यहाँ तक की खुद की बीवी को भी जबरदस्ती पोर्न दिखाते हैं और



उसके साथ संबंध करते समय उसकी रिकॉर्डिंग भी करते हैं। यह सब कार्य औरत की इज्ज़त को खत्म कर देते हैं।

४. पोर्न की वजह से सेक्स वर्कर्स और वेश्यावृत्ति में बढ़ोतरी ।



पोर्नोग्राफ़ी की वजह से कई मासूम लड़कियों को सेक्स वर्कर्स बनाकर वेश्यावृत्ति में डाल दिया जाता है। लड़कियां जो पढ़ने लिखने की उम्र की होती हैं उनसे ज़बरदस्ती अश्लील काम और व्याभिचार पैसों की लालच में कराए जाते हैं।

५. बड़े तो बड़े बच्चों को भी इसकी लत लग गयी है।

पोर्नोग्राफ़ी की चपेट में सिर्फ बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी इसके शिकार हो गए हैं। मोबाइल के द्ववारा बच्चों को भी इसकी आदत लगती जा रही है। यह माता-पिता के लिए बहुत बड़ी चुनौती है कि वह अपने बच्चों को इस बिमारी से कैसे बचाएं ?

६. पोर्न मनुष्य के दिमाग पर असर करता है।

पोर्न देखने से मनुष्य का दिमाग कमज़ोर हो जाता है। डॉक्टर जूडिथ रायिस्मन ने पोर्न को "इरोटो तोक्सीं" बताया है और कहा है कि इसे देखने से मनुष्य का दिमाग खराब होता है। उन्होंने कहा है की पोर्न देखने के बाद मनुष्य के दिमाग पर गलत असर हो सकता है।

७. नरक :

हाँ आपने ठीक सुना है, नरक ।
पोर्नोग्राफ़ी आँखों का ज़िना (व्यभिचार) है । और व्यभिचार के काम सिर्फ जीवन के लिए ही हानिकारक नहीं, बल्की मौत के बाद भी उसका नुकसान है । हमारा शरीर हमारे रचयिता - अल्लाह ने बनाया है और उसके लिए क्या चीज़ें नुकसानदेह है वही बेहतर जानता है । इसलिए अल्लाह ने अपने अंतिम ग्रन्थ "पवित्र कुरआन" में सारे मनुष्यों को व्यभिचार के निकट भी जाने से मना किया है और हमारी ज़िम्मेदारी यह है की हम हमारे रचयिता की आज्ञा का पालन करें, नहीं तो वह हमारे मरने के पश्चात हमें नरक में डाल सकता है।

"और व्यभिचार के निकट भी न जाओ । वह एक अश्लील कर्म और बुरा मार्ग है।" (कुरआन - सुरह १७ : ३२)

कह दो, "बेशक मेरे रब ने सारे अश्लील कर्मो को हराम (निषेध) किया है चाहे वह खुले आम हो या छिप छिप कर किया जाए।"(कुरआन – सुरह ७ : ३३)

अल्लाह ने सारे मानवजाति को पोर्नोग्राफ़ी (अश्लीलता) को देखने, फैलाने से ही मना नहीं किया है बल्कि उसके निकट जाने से भी रोका है क्योंकि उसमें किसी भी तरह का कोई लाभ नहीं। सिर्फ दो पल की झूठी लज्ज़त और फिर ज़िल्लत ही ज़िल्लत है।



पोर्नोग्राफ़ी से बचने के लिए कुछ उपाय:

१. सबसे पहले तो मनुष्य को बुरी संगत छोड़ देनी चाहिए जो उस पर बुरा असर कर सकती है और उसको प्रोत्साहित करती है कि वह

इन्टरनेट के माध्यम से पोर्नोग्राफ़ी की साइट्स पर जाए।

☛ २. जवान औरत हो या मर्द उसे जल्द से जल्द विवाह कर लेना चाहिए। इससे ही वह अपनी ज़रूरत जायज़ रिश्तों के ज़रिये सही ढंग से पूरी कर सकतें हैं।

☛ ३. मनुष्य अपने आपको अच्छे कार्य में व्यस्त रखे ताकि उसे दुनिया और परलोक दोनों जगह में लाभ हो।

☛ ४. अपने घर के कंप्यूटर और मोबाइल में (ANTI-PORN SOFTWARE) इनस्टॉल करवा सकते हैं।

☛ ५. इससे पहले जो पोर्नोग्राफ़ी और अश्लील चीज़ें मौजूद हैं उसको जल्द से जल्द नष्ट कर दिया जाए क्योंकि अगर वह चीज़ें रहेंगी तो मनुष्य फिर उस बुरी आदत में पड़ सकता है।

☛ ६. इन्टरनेट जब उपयोग में नहीं है तो उसको बंद कर देना चाहिए जितना आप इन्टरनेट से जुड़े रहेंगे उतना ही पोर्न के चंगुल में फंस सकते हैं।

☛ ७. अल्लाह का डर, बेशक अगर आप यह समझ जाएँ की आपको बनाने वाला आपको देख रहा है और हर काम जो आप इस जीवन में करते हैं उसका वह हिसाब लेगा, तो यही समझ और अल्लाह का डर ही आपको हर बुराई से रोकने के लिए काफी है।

“निस्संदेह कान और आँख और दिल इनमें से प्रत्येक के विषय में (आपके मरने के बाद आपसे) पूछा जाएगा ।" (कुरआन – सूरह १७:३६)

मनुष्य के लिए क्या लाभदायक है ? यह सिर्फ उसका रचयिता ही बता सकता है। हमें चाहिए कि हम हमारे रचयिता के मार्गदर्शन पर चलें और उसकी शिक्षाओं के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करें। अश्लीलता को रोकने के अलावा कुरआन में ऐसी कई शिक्षाएं हैं जो अल्लाह (हम

सबके रचयिता) ने सारे मानवजाति के लिए नसीहत के तौर पर अवतरित की है।

इसलिए हम अल-बिर्र फाउंडेशन की ओर से सभी भाइयों और बहनों को पवित्र क़ुरआन पढ़ने का निमंत्रण देना चाहते हैं जो सिर्फ मुस्लिम समाज के लिए ही नहीं बल्कि सारे मानवजाति के लिए एक मार्गदर्शन और अच्छी शिक्षाओं से परिपूर्ण एक पवित्र ग्रन्थ है।

"वह रमज़ान का महीना है जिसमें क़ुरआन उतारा गया है जो सारी मानवजाति के लिए मार्गदर्शन है, और मार्गदर्शन भी साफ़ सबूतों के साथ और सत्य–असत्य को परखने की कसौटी (फ़ुरक़ान) के साथ।"(क़ुरआन – सूरह २: १८५)

अल-बिर्र फाउंडेशन आपको पवित्र क़ुरआन की भेंट नि: शुल्क देना चाहती है जो की अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, गुजराती, और कई भाषाओँ में उपलब्ध है।

हमें पूरा विश्वास है कि अगर सारे मनुष्य पवित्र क़ुरआन को अपना मार्गदर्शन बना लें तो पोर्नोग्राफ़ी को लोग देखना छोड़ देंगे और भारत भी अच्छा हो जायेगा।

तो देरी किस बात की, पोर्नोग्राफ़ी के खिलाफ खड़े हो जाओ और भारत को बेहतर बनाओ। अगर भारत को एक स्वच्छ, सुरक्षित और शक्तिशाली देश बनाना है तो हमें समाज से पोर्नोग्राफ़ी ख़त्म करना ही होगा।



पोर्नोग्राफ़ी ख़तम करो

अपनी भाषा में पवित्र कुरआन की नि:शुल्क कॉपी को आर्डर करने के लिए अभी कॉल करें, यह भेंट सारे धर्म और जाति के लिए उपलब्ध है।

आर्डर के लिए आप को सिर्फ अपना

- ☑ **१. नाम**
- ☑ **२. मोबाइल नंबर**
- ☑ **३. घर का पोस्टल एड्रेस**
- ☑ **४. कुरआन की भाषा**

निचे दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल या एस एम् एस के द्वारा भेजना है और पवित्र कुरआन आपके घर तक नि:शुल्क पहुंचाया जायेगा।



अभी कॉल करें:

+91-8767333555 / 9920370659
www.albirr.in

81/82, Kotwala House, Dr. Mascarenhas Road,
Sitafal Wadi, Mazgaon, Mumbai - 400 010. INDIA